ॐ

# शाश्वतम्

डिवाइन श्री राम इण्टरनेशनल चेरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) हरिद्वार

शाश्वतम् फाउण्डेशन, मॉरीशस

"शाश्वत् परिवार" धर्म संस्कृति के विस्तार, मानवता की सेवा एंव विश्व कल्याण के लिए समर्पित संगठन है। जो आज देश की सीमा लांधकर 22 से भी अधिक देशों में विस्तार पा चुका है। जिसका मुख्यालय हरिद्वार और मॉरीशस में है। विश्व स्तर पर संस्था के विस्तार को देखते हुए, भक्तों के आग्रह पर, हरिद्वार में एक नये विशालकाय 7 मंजिला सेवा–साधना केन्द्र के निर्माण का निर्णय लिया गया।

इसमें देश–विदेश से पधारने वाले साधकों के रहने हेतु 80 आधुनिकतम कमरे बनाये जा रहे हैं। साथ ही योगासन, प्राणायाम सिखाने, सत्संग आदि हेतु सभागार एवं शुद्ध भोजन हेतु एक विशेष भोजनालय होगा। इसमें दो लिफ्ट की भी व्यवसथा है। आश्रम के सामने यज्ञशाला तथा एक भव्य मन्दिर का भी निर्माण किया जा रहा है जिसमें प्रतिदिन पूजा–पाठ, यज्ञ एवं रुद्राभिषेक आदि की व्यवस्था रहेगी।

यह आश्रम मोक्ष दायिनी गंगा की गोद, पवित्र हिमालय की छाया तथा सप्तऋषियों की तपोभूमि में अत्यन्त रमणिक एवं दिव्य–शक्तियों से ओत–प्रोत स्थान पर हरिद्वार में स्थित है।

बून्द–बून्द मिलकर घड़ा भर जाता है। छोटे–छोटे नाले मिलकर बड़ी नदियों के रुप में उमड़ने लगते हैं। इन्हीं नदियों के मिलने से विशाल समुद्र लहराने लगता है। छोटे–छोटे बन्दरों एवं गिलहरी जैसे छोटे जीव के संगठित एवं समर्पित सहयोग से समुद्र पर विशालकाय सेतु का निर्माण हो जाता है। कोई कारण नहीं की आप सबका का समर्पित एवं सक्रीय छोटा भी सहयोग हो तो बड़े से बड़ा कार्य संपन्न न हो पाए, ये कार्य तो बहुत छोटा है।

यह संस्थान आपका है। यह परिवार आपका है। यदि आप की चाहत विश्व कल्याण की है। यदि आप अपना तथा दुसरों का जीवन श्रेष्ठ बनते हुये देखना चाहते हैं, यदि राष्ट्र निर्माण के प्रति आपके अन्दर ललक है, तो निश्चित मान लीजिये कि आप इस परिवार के सदस्य हैं। भले ही आप इस संस्थान में सहयोग करें या न करें।

आप हमारे विचारों एवं उद्देश्यों के साथ हैं तो आप हमारे अभियान के अंग हैं।

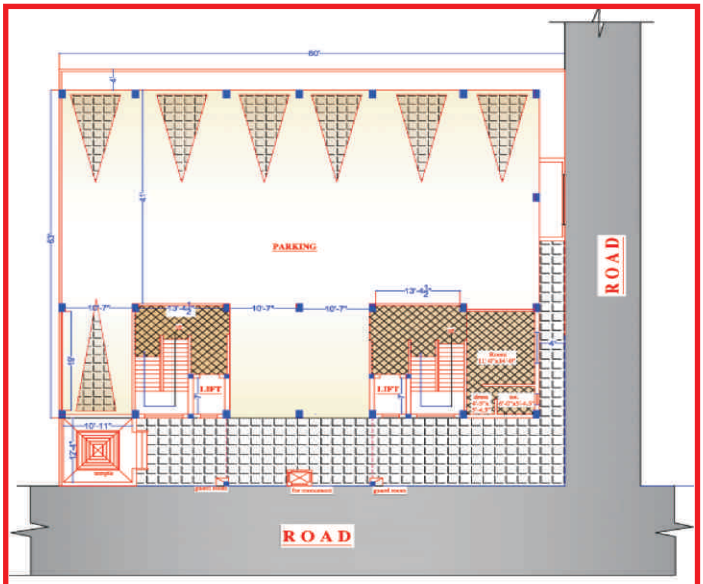


STILT FLOOR PLAN

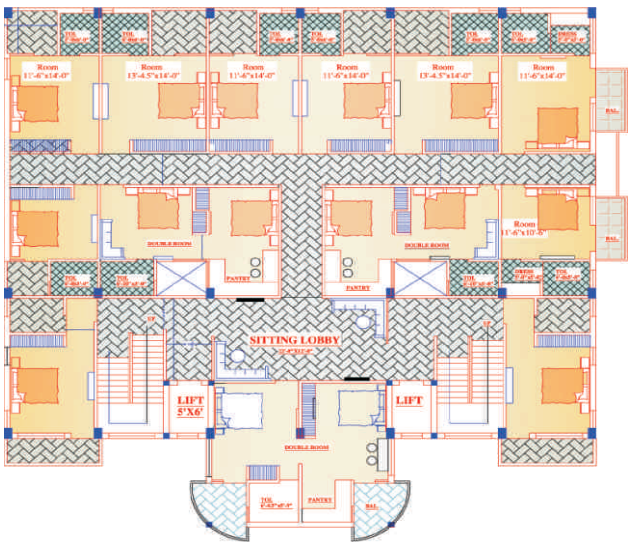


TYPICAL THIRD & FORTH FLOOR PLAN

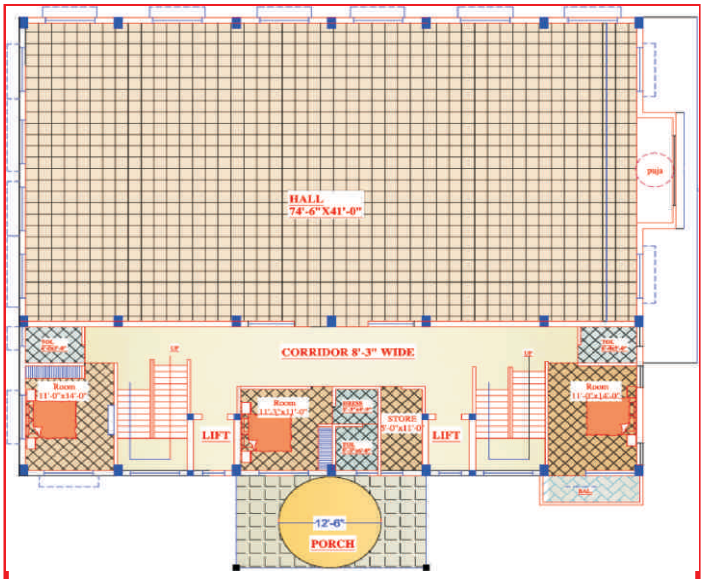


FIRST FLOOR PLAN

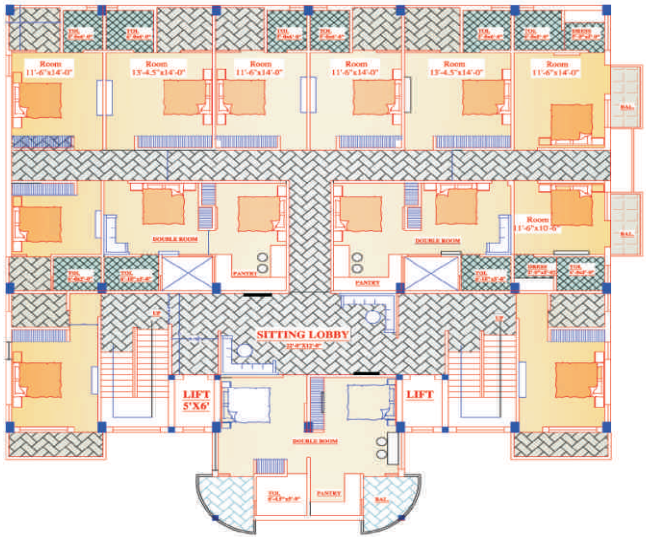


FIFTH FLOOR PLAN

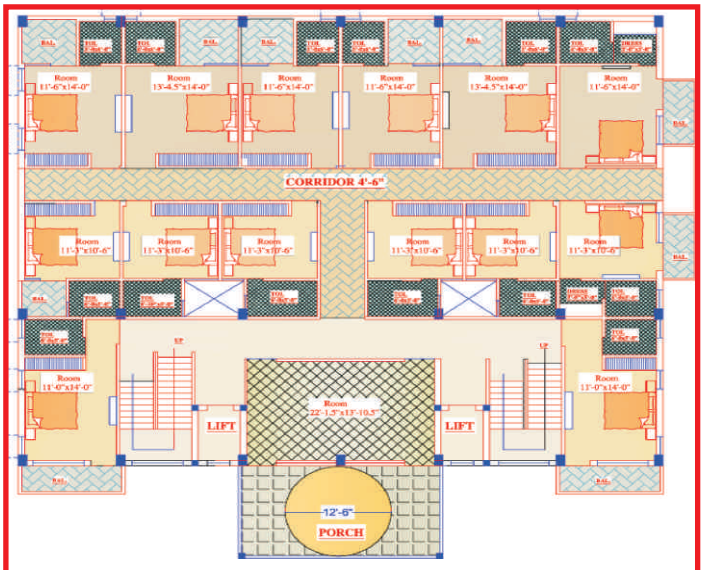


SECOND FLOOR PLAN

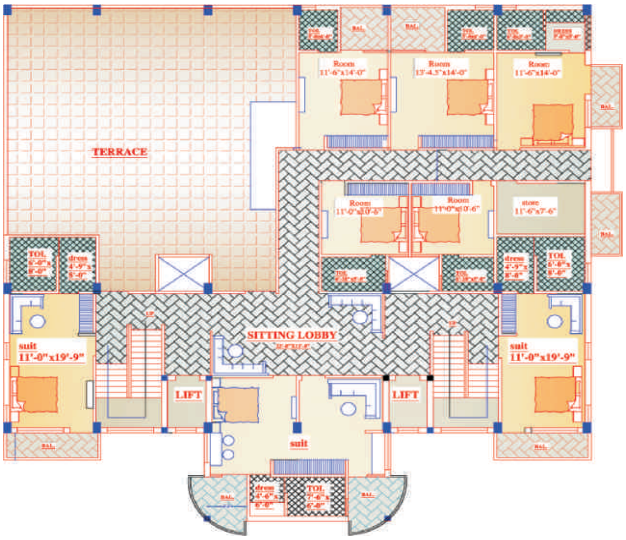


SIXTH FLOOR PLAN

आश्रम के सम्मुख भव्य मन्दिर का निर्माण
पार्किंग की विशेष व्यवस्था

आश्रम की पूर्व दिशा में 300 मीटर तक सुन्दर वन
वन से लगा हुआ गंगा जी का दिव्य तट

सात्विक आहार हेतु भोजनालय

जो भूमि पर नहीं बैठ सकते उनके लिए भिन्न भोजनालय

कमरे में प्रवेश से पूर्व हर तल पर बैठने हेतु लॉबी

कमरों में आधुनिकतम व्यवस्था

हर कमरे में आधुनिक बाथरूम की व्यवस्था

सभी कमरे वातानुकूलित

सातवे तल पर शूट की व्यवस्था

# सदस्यता

यदि आप इसमें सक्रिय सहयोग करना चाहते हैं तो निम्न प्रकार से जुड़ सकते हैं :-

- विश्वकल्याण हेतु संस्था द्वारा प्रकाशित होने वाली द्वि-मासिक पत्रिका "शाश्वत् ज्योति" का सदस्य बनकर तथा इन दिव्य विचारों का विस्तार कर के।
- रुपये 51,000/- देकर संस्था के आजीवन सक्रिय सदस्य बनकर।
- रुपये 1,51,000/- देकर संस्था के आजीवन संरक्षक सदस्य बनकर।
- रुपये 5,00,000/- देकर आश्रम में कम से कम एक कमरा बनवासकर संस्था के आजीवन संरक्षक ट्रस्टी बनकर।
- जो भक्त कमरे बनवाने के लिए सहयोग देना चाहते हैं यदि उनकी श्रद्धा और आर्थिक स्थिति एक बार में पूरा पैसा देने की है तो अवश्य दें अन्यथा इसे दो या चार किस्त में दे सकते हैं। जो किस्तों में देना चाहते हैं वे प्रारम्भ में रजिस्ट्रेशन कराते समय जितने कमरे बनवा रहे हैं, उसका कम से 25 प्रतिशत अवश्य दें। तीन वर्ष के अन्दर बाकी की रकम अपनी किस्त के अनुसार संस्था के बैंक खाते में अवश्य जमा करा दें (संरक्षक ट्रस्टियों के उत्तराधिकारी उनके पश्चात् स्वतः संस्था के संरक्षक ट्रस्टी माने जायेंगे)।
- अपनी सामर्थ्य के अनुसार एक से अधिक कमरे भी बनवा सकते हैं। छठे मंजिल पर दो कमरों का सेट भी तैयार हो रहा है।
- सभी सहयोगियों की सहयोग धनराशि का विवरण पत्थर पर अंकित रहेगा और उनके पधारने अथवा उनसे सम्बन्धित किसी व्यक्ति लिए विशेष सुविधा की व्यवस्था रहेगी। उनके पास "शाश्वत् ज्योति" पत्रिका नियमित प्रेषित होती रहेगी।

# बैंक खाता विवरण

ओरियेन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स, हरिपुर खुर्द, हरिद्वार
खाता संख्याः 03762010030260
IFSC Code: ORBC0100376

बैंक ऑफ बरोदा, चंद्र चार्या चौक, हरिद्वार
खाता संख्याः 27110100023441
IFSC Code: BARBOBLYHAR

## महत्वपूर्ण सूचनाः

दान राशि का चेक/डीडी "डिवाइन श्री राम इण्टरनेशनल चेरिटेबल ट्रस्ट" के नाम देय होगा।
संस्था को दी जाने वाली धनराशि आयकर अधिनियम 80G के अन्तर्गत कर मुक्त हैं।

# श्री श्री १००८ परम पूज्य महामण्डलेश्वर स्वामी डॉ. उमाकान्तानन्द सरस्वती जी महाराज का परिचय

## (महामण्डलेश्वर – जूना अखाड़ा)

संस्थापकः शाश्वतम् फाउन्डेशन, मॉरिशस | डिवाइन श्री राम इण्टरनेशनल चेरिटेबल ट्रस्ट, हरिद्वार

- स्वामी जी ने 12 वर्ष की उम्र में गुरु दीक्षा ली तथा 16 वर्ष की अवस्था में गृह त्याग कर कठिन तपस्या की और आत्मसाक्षात्कार किया।
- स्वामी जी विगत 25 वर्षों से रामायण, गीता, श्रीमद्भागवत, वेद, उपनिषद तथा भारतीय संस्कृति के विभिन्न विषयों पर प्रवचन करते आ रहे हैं।
- स्वामी जी ने भारत के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों (विश्वविद्यालय, आई. आई. टी., मेडिकल कॉलेज, बी.आई.टी) तथा रोटरी क्लबस् एवं लायन क्लबस् आदि में प्रवचन देते रहे हैं।
- स्वामी जी ने विश्व के लगभग 40 से भी अधिक देशों के विभिन्न शहरों में विगत् 25 वर्षों से आध्यात्मिक प्रवचन देकर लाखों लोगों का पथ प्रदर्शन किया है।
- स्वामी जी ने 1999 में दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन शहर में सम्पन्न "विश्व धर्मसभा" में भारत का प्रतिनिधित्व किया (यह वही सभा थी जिसमें स्वामी विवेकानन्द ने 1893 में अमेरिका के शिकागो में भाग लिया था)।
- स्वामी जी ने भारत के 24 से भी अधिक जेलों में कैदियों के बीच उपदेश देकर उनका जीवन सुधार किया है।
- इन दिनों विचार क्रान्ति द्वारा एवं श्री रामकथा एवं श्रीमद्भागवत्कथा के प्रवचनों द्वारा जनकल्याण में लगे हैं।
- व्यक्तित्व निर्माण एवं जीवन लक्ष्य प्राप्ति हेतु स्वामी जी द्वारा "शाश्वत् जीवन विद्या" कोर्स विश्वभर में कराये जाते हैं।
- संस्था द्वारा स्वामी जी के कुशल मार्गदर्शन में "शाश्वत् ज्योति" द्वी मासिक पत्रिका का प्रकाशन होता है।

## शैक्षणिक योग्यता

पी.एच.डी. : प्राचीन भारतीय योग परम्परा (गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार)

एम. ए. : प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व

बी. ए. : दर्शनशास्त्र (ऑनर्स), संगीत प्रभाकर, आयुर्वेद रत्न

इण्टर : विज्ञान (बायो.) आधुनिक मनोविज्ञान एवं हस्त रेखा में विशेषज्ञता।

प्रस्तावित आश्रमः शाश्वतम् सेवा साधना केन्द्र, प्रेम विहार चौक के समीप, हरीपुर कलां, हरिद्वार

हरिद्वार सम्पर्क : शाश्वत, जसविंदर इंक्लेव, भूपतवाला, हिरद्वार, उत्तराखण्ड (भारत) | मोबाइल न.: 9897034165

दिल्ली सम्पर्क : मोबाइल न.: 9818554415

वेबसाईटः www.shashwatam.org | ईमेलः shaswatamindia@gmail.com